राग- भैरव

थाट - भैरव

स्वर - रे व ध कोमल

वर्ज स्वर – कोणतेही नाही

जाती – संपूर्ण- संपूर्ण

वादी स्वर - ध (धैवत)

संवादी स्वर - रे (रिषभ)

गायनसमय – दिवसाचा पहिला प्रहर

समप्रकृतीक राग - रामकली

आरोह – सा रे ग म प ध नी सां

अवरोह – सां नी ध प म ग रे सा

पकड - ग म ध ध प S, ग म प म रे Sरे S साS

राग विस्तार

सा ऽ ध़ ऽ ऩि ऽ ध़ ऽ साऽऽ

ध़ ऩि सा रे ऽ, रे ऽ रे ऽ साऽऽ

सा ऽ रेग ऽ ग ऽ (म) ऽ रे ऽ रे ऽ साऽऽ

सारेगमपमगमपऽ, गम धऽ धऽ पऽ,धधपमपऽ मऽ,

रेगमप गमपऽ,गऽ म रेऽ रेऽ सा ऽ, ध़ ऩिध़ साऽऽ,